हिंदी आशुलिपि परीक्षा–जुलाई, 2014

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध

प्रश्न-पत्र–द्वितीय

बैच-I

डिक्टेशन का समय : 5 मिनट पूर्णांक : 100

लिप्यंतरण का समय : 50 मिनट (गति : 100 श.प्र.मि.)

सभापति महोदय, सदन में देश के विकास में आ रही समस्याओं पर चल रही चर्चा में मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए / मैं आपका हृदय से आभारी हूं । हमारे देश के आर्थिक विकास में सबसे पहली बड़ी समस्या गरीबी की है तथा दूसरी बड़ी समस्या // बेरोजगारी की है । अभी भी देश की लगभग 40 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है । इस आबादी में /// मुख्य रूप से किसान, मजदूर, आदिवासी और दूसरे पिछड़े वर्ग के लोग शामिल हैं । इनकी गरीबी का सबसे बड़ा कारण
(1) यह है × कि इनके पास आय के साधनों का अभाव है । ज्यादातर ऐसे लोग कम पढ़े-लिखे हैं या बिलकुल ही पढ़े-लिखे नहीं हैं / हमारे देश में हर साल जितनी जनसंख्या बढ़ती है, उस मात्रा में रोजगार के नए अवसर पैदा नहीं होते । इस तरह बढ़ती हुई जन // संख्या के कारण सभी लोगों को रोजगार के अवसर नहीं मिल पाते जिससे बेरोजगारी फैलती जा रही है । इसी प्रकार जिस तेज गति /// से जनसंख्या और
(2) बेरोजगारी फैल रही है उस गति से विकास नहीं हो पा रहा है । आजकल पढ़े-लिखे बेरोजगारों की × संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है । यदि हम चाहते हैं कि सही अर्थों में देश का तीव्र गति से विकास हो तो इस गरीब / वर्ग का विकास, इसकी प्रगति, इसकी उन्नति हर हाल में होनी चाहिए ।

महोदय, यह कैसी विचित्र बात है कि हर चुनाव से // पहले कुछ राजनेता, चाहे वे किसी भी दल के हों किसानों, गरीबों, दलितों और बेरोजगारों की भलाई करने के नाम पर वोट मांगते /// हैं, कसमें खाते हैं, तरह-तरह के वायदे करते हैं । लेकिन चुनाव जीतने के बाद जब उनको सत्ता मिल जाती है तो
(3) वे इन × गरीब लोगों को भूल जाते हैं । ऐसे इलाकों से नजर फेर लेते हैं जहां ऐसे गरीब वर्ग के लोग रहते हैं । ऐसा लगता है कि / अपने देश में कुछ राजनेताओं की यह प्रवृत्ति बन गई है कि जब चुनाव निकट होते हैं तो वे इन गरीबों की समस्याओं // का बढ़चढ़कर उल्लेख करते हैं तथा खुद को उनका सबसे बड़ा हितैषी सिद्ध करने में लग जाते हैं । वे यह भी /// प्रचार करते हैं कि यदि आप अपना हक चाहते हैं,
(4) अपना हिस्सा चाहते हैं तो अपना वोट देकर हमारी सरकार बनाने में हमारी मदद × कीजिए । हम कानून बनाकर आपकी सुख-सुविधा के लिए, आपके रोजगार के लिए, आपकी उन्नति के लिए दिन-रात काम करेंगे । / लेकिन आमतौर पर यह देखा गया है कि चुनाव के बाद ये वायदे सच साबित नहीं होते और इस प्रकार लोग अपने को ठगा // महसूस करते हैं । जनता को यह याद रखना चाहिए कि केवल वायदों से, कानून से कोई समस्या हल नहीं होती । यदि ऐसा होता तो आज /// हमारे देश में, जहां अनगिनत कानून
(5) हैं, कहीं कोई समस्या नहीं होती और चारों तरफ उन्नति, समृद्धि तथा सुरक्षा का वातावरण होता । ×

———